सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

जवानी, जाति और कुल धर्म को लेकर कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए।
–गुरु गोविंद सिंह

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 81 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 26 अप्रैल, 2023

सीएम एकनाथ शिंदे पर लटकी... 8 | सबसे बड़ा सवाल, कौन होगा... 3 | भाजपा ने यूपी के शहरों को... 2

सरकारी आवास पर भाजपा-आप में रार

लगाया आरोप-सौंदर्यीकरण पर खर्च किए 45 करोड़ रुपये , बीजेपी ने मांगा इस्तीफा, आप ने कहा-सब बकवास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में एकबार फिर भाजपा और आप आमने-सामने आ गई है। इस बार सीएम अरविंद केजरीवाल का बंगला निशाने आ गया है। भाजपा ने दावा किया कि शहर के सिविल लाइंस इलाके स्थित सीएम के सरकारी आवास के सौंदर्यीकरण पर लगभग 45 करोड़ रुपये खर्च किए गए और इसने नैतिक आधार पर उनके इस्तीफे की मांग की है। भाजपा ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर 45 करोड़ रुपये के मरम्मत कार्यों का सबसे दयनीय पहलू यह है कि इस धनराशि को तब मंजूरी दी गई। जब दिल्ली कोविड-19 वैश्विक महामारी की चपेट में थी।

केजरीवाल के आवास के मुद्दे पर दिल्ली सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई, लेकिन सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा पर पलटवार किया। आप के वरिष्ठ नेता राघव चड्ढा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री आवास 75-80 साल पहले 1942 में बनाया गया था। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने ऑडिट के बाद इसके जीर्णोद्धार की सिफारिश की थी। पीडब्ल्यूडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह नवीनीकरण नहीं था और पुराने ढांचे के स्थान पर एक नया ढांचा बनाया गया है, वहां उनका शिविर कार्यालय भी है, खर्च लगभग 44 करोड़ रुपये है, लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि पुराने ढांचे को नए के साथ बदला गया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर निशाना साधते हुए प्रियंका कक्कड़ कहा, सर बीजेपी का मीडिया कह रहा है कि अरविंद केजरीवाल ने अपने लिए 45 करोड़ का महल बनवाया है। आप यह महल ले लीजिए, और अपना गरीबखाना अरविंद को दे दो, ताकि जनता के मुद्दों पर बहस हो सके।

फाइल फोटो

पीएम बनवा रहे 500 करोड़ का घर : संजय

इस पर आप नेता संजय सिंह ने कहा कि लोगों का ध्यान असल मुद्दों से भटकाने के लिए विवाद खड़ा किया गया है। उन्होंने कहा कि खुद को फकीर कहने वाले प्रधानमंत्री 500 करोड़ रुपये से अपने लिए घर बनवा रहे हैं, जिस घर में वह अभी रह रहे हैं, उसके जीर्णोद्धार पर 90 करोड़ रुपये खर्च किए गए

राजा-महाराजा भी केजरीवाल के आगे सिर झुकाएंगे : पात्रा

केजरीवाल के आवास की मरम्मत पर 45 करोड़ रुपये खर्च किए जाने पर भाजपा ने उन्हें 'महाराजा करार दिया। संबित पात्रा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल महाराज की कहानी को न चलाने के लिए अब मीडिया को भी प्रलोभन दिया जा रहा है। अब, जब केजरीवाल से सवाल पूछा जाता है, तो कहते प्रधानमंत्री किस गाड़ी से चलते हैं? सेंट्रल विस्टा पर भी सवाल उठाएंगे, लेकिन सेंट्रल विस्टा देश की धरोहर है। बंगले के लिए 'उत्कृष्ट उत्पादों के चयन और 'आलीशान एवं आरामदायक जीवन की लालसा के लिए राजा-महाराजा भी केजरीवाल के आगे सिर झुकाएंगे। केजरीवाल के बंगले के लिए खरीदे गए आठ पर्दों में से एक की कीमत 7.94 लाख रुपये से अधिक थी, जबकि इनमें से सबसे सस्ता पर्दा 3.57 लाख रुपये का था। बंगले के लिए 1.15 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का संगमरमर वियतनाम से लाया गया था, जबकि चार करोड़ रुपये पूर्व-निर्मित लकड़ी की दीवारों पर खर्च किए गए थे।

लोक सेवक के रूप पद में पर नहीं रह सकते सीएम : माकन

वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के सौंदर्यीकरण पर 45 करोड़ रुपये खर्च करने की खबरें सामने आने के बाद, कांग्रेस नेता अजय माकन ने भी केजरीवाल के लोक सेवक के रूप में अपने पद पर बने रहने के अधिकार पर सवाल उठाया। माकन ने कहा कि केजरीवाल ने कथित तौर पर अपने आलीशान बंगले पर सार्वजनिक धन के 45 करोड़ रुपये खर्च किए, जिसमें वियतनाम मार्बल, महंगे पर्दे और महंगे कालीन जैसी फालतू चीजें शामिल हैं।

नैतिक अधिकार पर केजरीवाल इस्तीफा दें : सचदेवा

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल को अपने उस नैतिक अधिकार के बारे में दिल्ली के लोगों को जवाब देना चाहिए, जिसके तहत उन्होंने अपने बंगले के सौंदर्यीकरण पर लगभग 45 करोड़ रुपये खर्च किए, जब कोविड के दौर में अधिकांश सार्वजनिक विकास कार्य ठप थे।

भाजपा ने दिया वॉकओवर, शैली ओबेरॉय निर्विरोध बनीं मेयर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली मेयर चुनाव से बीजेपी के पीछे हटने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) की डॉ. शैली ओबेरॉय निर्विरोध चुनी गई। दिल्ली नगर निगम में आप सत्तारूढ़ है। महापौर चुनाव के लिए दो उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किये थे, जिनमें मौजूदा महापौर ओबेरॉय और भाजपा की शिखा राय थीं। शैली ओबेरॉय 22 फरवरी को दिल्ली की महापौर चुनी गयी थीं। उन्होंने भाजपा की रेखा गुप्ता को 34 मतों के अंतर से हराया था। शैली को 150 वोट मिले थे, जबकि रेखा को कुल 266 वोट में से 116 वोट मिले थे। दिल्ली मेयर चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद शैली ओबरॉय ने कहा,सीएम केजरीवाल का धन्यवाद कि दोबारा से मुझे मेयर उम्मीदवार बनाया। पार्षदों और जनता का धन्यवाद कि मुझे मेयर बनाया। जो जिम्मेदारी फिर से मिली है, उसका पूरी तरह से निर्वहन करेंगे जैसे अब तक करते रहे हैं। पार्कों, साफ सफाई, स्कूलों आदि के मुद्दों पर काम करते रहेंगे। संवैधानिक तरीके से सदन को चलाएंगे।

महिला पहलवानों की याचिका पर लिया सीजेआई ने एक्शन-कहा

कल कोर्ट में तथ्यों के साथ आएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन पर बैठे पहलवानों की याचिका पर गंभीरता दिखाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत एक्शन लिया। कोर्ट ने मामले को गंभीर पाया और दिल्ली सरकार एवं दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

सॉलिसीटर जनरल ने दिल्ली पुलिस की तरफ से सुप्रीम कोर्ट से कहा- एफआईआर दर्ज करने से पहले कुछ प्राथमिक जांच की जरूरत है। चीफ जस्टिस ने कहा- आपके पास जो भी तथ्य हैं, उन्हें शुक्रवार को सुनवाई के दौरान रखें। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृज भूषण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच की जरूरत होगी। कथित यौन उत्पीड़न को लेकर बृजभूषण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के संबंध में पहलवानों द्वारा दायर याचिका पर उच्चतम न्यायालय 28 अप्रैल को सुनवाई करेगा।

सेम सेक्स मैरिज पर सुप्रीम बहस जारी

केंद्र देगा हर सवाल का जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में पांचवें दिन एलजीबीटीक्यूआईए मामले की सुनवाई हुई। संविधान बेंच उन याचिकाओं पर सुनवाई जारी रखेगी जिनमें भारत में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग की गई है। अभी तक चली बहस में मांग के कानूनी आधार और इस संबंध में संसद के अधिकार और न्यायपालिका के दखल पर बात हुई है।सुप्रीम कोर्ट ने कहा आप संसद के कानून बनाने के अधिकार पर विवाद नहीं कर सकते। तलाक और शादी का मामला समवर्ती सूची में है और संसद को कानून बनाने का अधिकार है। सवाल यह है कि कोर्ट इस मामले में किस हद तक दखल दे सकता है। इस मामले में आप हमें सुझाव दें।

संविधान बेंच के सामने एडवोकेट करुणा नंदी एलजीबीटीक्यूआईए याचिकाकर्ताओं की ओर से दलीलें पेश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं एक घोषणा चाहती हूं कि क्वीअर और एलजीबीटीक्यूआईए को सेक्युलर कानून (स्पेशल मैरिज एक्ट) के तहत शादी की इजाजत दी जाए।

विरोध में दलीलें पेश करेगा केंद्र

संविधान पीठ के सामने याचिकाकर्ताओं ने पिछले चार दिनों की सुनवाई में अपना पक्ष रख दिया है। बुधवार को केंद्र सरकार इस मामले में अपना पक्ष रखेगी। भारत सरकार ने पहले एक हलफनामे में कहा था कि इस विषय पर कानून बनाने का अधिकार संसद को है, न्यायापालिका को दखल नहीं देना चाहिए।

भाजपा ने यूपी के शहरों को बर्बाद कर दिया : अखिलेश

» लगाया आरोप, कहा-जानवर तक नहीं हटा पाए शहर से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने यूपी के शहरों को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि शहर की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। ज्यादातर शहरों में लंबे समय से भाजपा के मेयर रहे हैं। ऐसे में इन समस्याओं के लिए भाजपा जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य में भी भाजपा की सरकार है। इसके बाद भी स्मार्ट सिटी के नाम पर कुछ नहीं हुआ। उन्होंने सवाल किया कि कूड़े से बिजली बनाने का कारखाना कहां गया?

सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सोची समझी रणनीति के तहत शहरों को तबाह कर रही है। लखनऊ, कानपुर, आगरा और वाराणसी में मेट्रो के नाम पर कुछ नहीं किया। भाजपा के लोग जानवर तक शहर से नहीं हटा पाए हैं। ऐसे में शहर को स्मार्ट बनाने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। वाराणसी को क्योटा शहर क्यों नहीं बना पा रहे हैं। भाजपा ने सत्ता में रहते हुए विकास कार्य अवरुद्ध किए। भ्रष्टाचार से लोग त्रस्त हैं।

स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में बजट की लूट और बंदरबांट हुई। शहरों में वायु प्रदूषण चरम पर बै। भाजपा ने सिर्फ धोखा दिया। स्मार्ट सिटी का जुमला उठाला और पहले से लगे पेड़ और बाग उजाड़ दिए। सफाई के नाम पर सिर्फ घोटाला हुआ। स्वच्छ पेयजल की जगह मलमूत्र मिला गंदा पानी

दिया ।यातायात व्यवस्था ध्वस्त। कूड़ा निस्तारण नहीं। सड़कें टूटी ।सैनिटेशन नहीं होने से संक्रामक रोगों की रोकथाम नहीं। अन्ना पशुओं, कुत्तों के कारण आम नागरिकों की मौत तक हो रही है।

समाजवादी कैंटीन, किराया स्टोर खोलने का किया वादा

उन्होंने निकायों में जीतने पर समाजवादी कैंटीन, किराना स्टोर स्थापित किए जाने, सफाई कर्मियों को विशेष उपकरण मुहैया कराने, पार्कों में योग केंद्र खोलने, शादी और अन्य आयोजन के लिए सामुदायिक केंद्र बनाने का वादा किया है। बेसहारा लोगों के लिए विशेष रैन बसेरा योजना लाएंगे। सपा अध्यक्ष ने लोगों से साफ सुथरी छवि के समाजसेवियों को चुनने की अपील की। उन्होंने नगर निकाय चुनावों के वादों में सेहत, स्वच्छता, सुरक्षा एवं रोजगार पर विशेष फोकस किया है। भाजपा सरकार को स्मार्ट सिटी बनाने के मुद्दे पर फेल बताते हुए उसकी कमियां गिनाई। साथ ही सपा प्राथमिकता भी बताई।

भाजपा से लड़ने के लिए तैयार

सपा अध्यक्ष ने कहा कि निकाय चुनाव में हर स्तर पर भाजपा से लड़ने के लिए तैयार हैं। जनता साथ है। भ्रष्टाचार के लगातार आरोप लग रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण अयोध्या है। वहां भाजपा को टिकट काटना पड़ा। शाहजहांपुर में सपा उम्मीदवार को दबाव बनाकर अपना प्रत्याशी घोषित करना उनका दिवालियापन है। सपा जल्द ही प्रचार अभियान भी शुरू करेगी।

पुंछ आतंकी हमले में निर्दोषों को परेशान न करें : फारूक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि पुंछ आतंकी हमले की जांच शुरू हो गई है। इस मामले में निर्दोष लोगों को गिरफ्तार नहीं करना चाहिए। मुझे पता है कि इसका दोष निर्दोष लोगों पर डालेंगे, इसलिए मैं नहीं चाहता कि निर्दोष लोग इस मामले में फंसें।

» बोले- घटना कहीं न कहीं सुरक्षा में चूक

इससे पहले उन्होंने कहा था कि पुंछ में आतंकी हमले पर कहा कि कहीं न कहीं सुरक्षा में चूक हुई है। इस पर गौर करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि घटनास्थल का इलाका भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक है। इस पर जांच की जानी चाहिए। इस हमले में पांच जवान शहीद हो गए हैं। उन्होंने कहा कि रमजान के माह में घाटी में कोई अप्रिय घटना नहीं घटी है। ऐसा ही होना चाहिए। आगे फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र सरकार का कहना है कि प्रदेश में हालात नियंत्रण में हैं। ऐसे में प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराए जाने चाहिए।

दिग्विजय ना किसी के भाई ना ही जान : नरोत्तम मिश्र

» कहा, पड़ोसी मुल्क के आटा महंगा होने से परेशान हैं पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के एक ही वर्ग के लोगों को पत्थरबाजी में पकड़ने के बयान पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार किया। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि दिग्विजय सिंह ना किसी के भाई ना ही जान, वो तो पड़ोसी मुल्क मे आटा महंगा होने से परेशान हैं।

गृहमंत्री नरोत्त मिश्रा ने मीडिया से बातचीत में दिग्विजय सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह जी एक ही वर्ग के लोगों को पत्थर बाज बता रहे हैं। दिग्विजय सिंह जी सीसीटीवी फुटेज आ गए हैं। पुलिस है, कानून है, संविधान है, आप सब पर ही सवाल उठाए दे रहे हो। एक वर्ग विशेष पर नजर

इनायत करने के लिए आप सब यह बोलते रहते हैं यह हमारी समझ में आता है। दिग्विजय सिंह ना किसी के भाई हैं ना ही जान है वो तो पड़ोसी मुल्क के आटा महंगा होने से परेशान हैं। मिश्रा ने कहा कि इनकी मनोस्थिति जो पाकिस्तान में त्राहिमाम त्राहिमाम हो रहा है उसे समझ में आती है यह कितने ज्यादा पीड़ित होकर इस तरह के बयान दे रहे हैं।

किसी के बहकावे में न आएं : प्रियंका

» कर्नाटक में प्रचार में कहा- कांग्रेस ने आपका भरोसा कभी नहीं तोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैसूर। कर्नाटक में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि उनकी दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोगों का भरोसा कभी नहीं तोड़ा। एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि इंदिरा गांधी को आप सभी जानते हैं, उनकी खासियत थी कि उन्होंने कभी आपका भरोसा नहीं तोड़ा. आज अगर आप मुझ पर भरोसा करते हैं तो वह इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस के अन्य नेताओं की वजह से है, जिन्होंने हकीकत में आपके लिए काम किया।

भाजपा नेताओं पर तीखा हमला करते हुए प्रियंका गांधी ने राज्य के लोगों से आग्रह किया कि वे उनकी बातों में ने आए बल्कि वोट मांगने वाले नेताओं के विवेक को देखें। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री यहां आए और कहा कि विपक्ष के नेता उनकी कब्र खोदना चाहते हैं, यह कैसी बात है? देश का हर नागरिक चाहेगा कि प्रधानमंत्री का स्वास्थ्य अच्छा रहे। लोगों को किसी नेता के कहने पर नहीं बल्कि अपनी अंतरात्मा की आवाज पर वोट देना चाहिए।

राज्य को भाजपा सरकार ने लूट लिया

राज्य के लोगों से समझदारी से मतदान करने का आग्रह करते हुए, प्रियंका ने कहा, 40 प्रतिशत-सरकार ने जनता को बेरहमी से लूटा, कर्नाटक सरकार ने 1.5 लाख करोड़ रुपये लूटे। अमूल-नंदिनी विवाद का हवाला देते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, सरकार ने जानबूझकर दूध का उत्पादन कम किया ताकि अमूल दूध को कर्नाटक लाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह कर्नाटक में बदलाव का समय है क्योंकि भाजपा ने राज्य में कोई रचनात्मक काम नहीं किया है। पिछले तीन सालों में राज्य में हर चीज में गिरावट आई है, चाहे वह सुविधाएं हों या बुनियादी ढांचा,लोग अपने अनुभवों से इसके बारे में जानते हैं।

कर्नाटक में 40 सीटों पर सिमट जाएगी भाजपा : राहुल गांधी

विजयपुरा में एक रोड शो को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, कर्नाटक में कांग्रेस 150 सीटों के साथ सरकार बनाएगी जबकि बीजेपी की 40 फीसदी कमीशन वाली सरकार 40 सीटों पर सिमट जाएगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस के पास सबूत हैं तो उन्हें अदालत जाना चाहिए। वे इसके बारे में बात कर सकते हैं और अगर उनके पास ठोस सबूत हैं तो उन्हें अदालत जाना चाहिए, न तो कोई जांच है और न ही कोई मामला है. लोग इस तरह के निराधार आरोपों पर कैसे विश्वास करेंगे।

नहीं रहे प्रकाश सिंह बादल, कल होगा अंतिम संस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल का अंतिम संस्कार 27 अप्रैल गुरुवार को उनके पैतृक गांव बादल में दोपहर एक बजे होगा। इससे पहले 26 अप्रैल को उनके पार्थिव शरीर को आम लोगों के दर्शन के लिए सुबह 10 बजे चंडीगढ़ के सेक्टर 28 स्थित शिरोमणि अकाली दल के कार्यालय में रखा जाएगा। फोर्टिस अस्पताल से पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के शव को एंबुलेंस से चंडीगढ़ स्थित शिरोमणि अकाली दल के कार्यालय ले जाया जा रहा है। यहां पर अंतिम दर्शन को पार्थिव शरीर को रखा जाएगा।

27 अप्रैल को छुट्टी का एलान

पंजाब सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के निधन पर 27 अप्रैल को छुट्टी का एलान किया है। इस दौरान सभी दफ्तर और विधिक संस्थान बंद रहेंगे। बता दें कि 27 अप्रैल को पैतृक गांव में प्रकाश सिंह बादल का अंतिम संस्कार होगा।

शिरोमणि अकाली दल के संरक्षक प्रकाश सिंह बादल को अंतिम श्रद्धांजलि देने दोपहर 12 बजे पीएम नरेंद्र मोदी चंडीगढ़ पहुंचेंगे। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। इससे पहले मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रकाश सिंह बादल के निधन पर शोक व्यक्त किया था।

चंडीगढ़ से बठिंडा तक निकलेगी अंतिम यात्रा

पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल का अंतिम संस्कार 27 अप्रैल गुरुवार को उनके पैतृक गांव बादल में दोपहर एक बजे होगा। इससे पहले 26 अप्रैल को उनके पार्थिव शरीर को आम लोगों के दर्शन के लिए सुबह 10 बजे चंडीगढ़ के सेक्टर 28 स्थित शिरोमणि अकाली दल के कार्यालय में रखा जाएगा। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे उनकी अंतिम यात्रा शुरू होगी। यह यात्रा राजपुरा, पटियाला, संगरूर, बरनाला, रामपुरा फूल, बठिंडा के रास्ते गांव बादल पहुंचेगी।

95 साल की उम्र तक सियासत में रहे सक्रिय

शिरोमणि अकाली दल के दिग्गज नेता व पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के निधन से पंजाब की राजनीति का एक बड़ा अध्याय खत्म हो गया है। उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। 95 साल की उम्र तक सियासत में सक्रिय रहने के कारण उन्हें राजनीति का बाबा बोहड़ (दिग्गज) कहा जाता था। उन्होंने 20 साल की उम्र में 1947 में सरपंच का चुनाव जीतकर अपना राजनीतिक करियर शुरू किया था। इसके बाद वह पांच बार पंजाब का सीएम बने। पंजाब के अब तक 17 मुख्यमंत्रियों में प्रकाश सिंह बादल को सबसे कम उम्र 43 साल और सबसे ज्यादा 82 साल की उम्र के मुख्यमंत्री होने का गौरव प्राप्त है।

सबसे बड़ा सवाल, कौन होगा विपक्ष का चेहरा!

विपक्षी एकजुटता के लिए दौड़-भाग शुरू, नीतीश ने कोलकाता से लखनऊ तक नापी सड़क

» 2024 चुनाव में भाजपा व मोदी को रोकने की कवायद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी एकजुटता को कामयाबी दिलाने के लिए क्षेत्रीय स्तर के हर नेता अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं। दक्षिण में केसीआर तो उत्तर में नीतीश व ममता मोदी सारकर को उखाड़ फिंकवाने के लिए पूरी रणनीति के साथ कदम दर कदम बढ़ा रहे हैं। इनको कितना कामयाबी मिलेगी वो तो नजीजे बताएंगे। पर इसमें कोई शकं नही इस वक्त सारे विपक्ष के निशाने पर एक ही नेता है वों है नरेंद्र मोदी। सारे विपक्षी दलों का एक ही मकसद हैं कि मोदी सरकार किसी तरह से 2024 में वापस न आने पाए।

जदयू-राजद का फोकस उत्तर भारत पर है। नीतीश कुमार की अगुआई में जदयू और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद उत्तर भारत के विपक्षी दलों को एकसाथ लाने में जुटी हैं। खासतौर पर आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस जैसे दलों को एकजुट करने का काम नीतीश और तेजस्वी कर रहे हैं। इसके अलावा अन्य छोटे दलों को भी साथ लाने के लिए दोनों नेता लगातार कोशिश कर रहे है।12 अप्रैल को सबसे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात की। इसी के साथ नीतीश ने ये भी साफ कर दिया कि विपक्षी एकता बगैर कांग्रेस को साथ लाए संभव नहीं है। राहुल-खरगे से मिलने के बाद नीतश कुमार और तेजस्वी यादव ने आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। वहीं, दूसरी ओर खरगे और राहुल ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मिलकर बातचीत की। खरगे ने अरविंद केजरीवाल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन से भी फोन पर बात की। इसके बाद नीतीश कुमार और तेजस्वी ने सोमवार को पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की और फिर लखनऊ आकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से मिले।

एक कांग्रेसी नेता ने कहा, नीतीश, तेजस्वी संग खरगे और राहुल की बैठक में विपक्षी एकजुटता को लेकर कई बिंदुओं पर सहमति बनी है। अब उसी फॉर्मूले के सहारे विपक्ष के अन्य दलों को एकसाथ लाने की कोशिश हो रही है। इस फॉर्मूले पर अंतिम मुहर तब लगेगी जब एकसाथ सारे विपक्षी दलों के नेता बैठक करेंगे। इस फार्मूले में जो ये अहम बिंदु हैं।

भाजपा के खिलाफ वैचारिक एकजुटता- नीतीश कुमार ने खरगे और राहुल से मुलाकात के दौरान ये बात कही थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा के खिलाफ विपक्ष को वैचारिक तौर पर एकजुट होना होगा। कई ऐसे मुद्दे हैं, जिनपर विपक्ष की राय एक है। इन्हीं मुद्दों के सहारे सभी को एक होकर भाजपा से लड़ना होगा। राहुल और खरगे ने भी इसे स्वीकार किया।. विपक्षी एकता की अगुआई कांग्रेस को करना चाहिए। नीतीश ने ही इसका प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ही विपक्ष के सभी दलों की अगुआई करनी चाहिए, लेकिन इसमें कहीं से भी ये न लगे कि किसी दल की उपेक्षा की जा रही है। सभी के सम्मान का ख्याल रखना चाहिए।

चुनाव में सीट बंटवारे का फॉर्मूला

नीतीश ने कहा कि चुनाव के वक्त जिस पार्टी का जिस भी राज्य या क्षेत्र में दबदबा हो वहां उसे लीड करने दिया जाए। मसलन बिहार में राजद-जदयू का प्रभाव है। ऐसे में यहां की ज्यादातर सीटों पर इन्हीं दो पार्टियों के उम्मीदवार उतारे जाएं। इसके अलावा अन्य पार्टी जिसका कुछ जनाधार हो, उन्हें भी कुछ सीटों पर मौका दिया जाए। इसी तरह यूपी में सपा को ज्यादा सीटें दी जा सकती हैं। राजस्थान-छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कांग्रेस लीड कर सकती है। जहां विवाद की स्थिति बने, वहां आपस में बैठकर मसला हल किया जा सकता है। विपक्षी दल जांच एजेंसियों की कार्रवाई पर एक हो सकते है। इस वक्त सोनिया गांधी-राहुल गांधी से लेकर केसीआर, तेजस्वी यादव, उद्धव ठाकरे, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल तक कई मामलों में फंसे हुए हैं। ये एक ऐसा मुद्दा है, जिसको लेकर सभी दलों की राय एक है। सभी ने इसके खिलाफ सरकार पर हमला बोला है। वहीं अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर विपक्ष एक साथ रहेगा। वहीं विपक्ष ने लगातार आरोप लगाया है कि सरकार अल्पसंख्यकों के खिलाफ काम कर रही है। सरकार पर सांप्रदायिक होने का भी आरोप लगाया जा रहा है। ऐसे में इस मुद्दे पर भी विपक्ष सहमति बना सकता है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बंगाल की सीएम और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से सोमवार को हुई मुलाकात के नतीजों से फिलहाल यह तय हो गया है कि व्यापक विपक्षी एकता की पहल आने वाले दिनों में आगे बढ़ेगी। बेशक विपक्षी एकता के ठोस स्वरूप की तस्वीर इन नेताओं की बैठक में अभी साफ नहीं हुई, मगर तृणमूल कांग्रेस और सपा दोनों दलों ने यह संकेत जरूर दे दिया है कि कांग्रेस के विपक्षी एकजुटता की धुरी बनने से उन्हें कोई परहेज नहीं होगा। साथ ही विपक्षी खेमे के लिए एक सकारात्मक संकेत यह भी है कि फिलहाल विपक्षी एकता की गाड़ी नेतृत्व विवाद के गतिरोध में भी नहीं फंसेगी। विपक्षी सियासत को एक मंच पर लाने के लिए कोलकाता और लखनऊ में सोमवार को शुरू हुई कसरत इस बार नीतीश कुमार के मैदान में उतरने की वजह से ज्यादा गंभीर मानी जा रही है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से हुई चर्चाओं के बाद नीतीश ने ममता, अखिलेश, अरविंद केजरीवाल और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को विपक्षी एकता की छतरी में लाने का जिम्मा संभाला है। इन चारों क्षेत्रीय क्षत्रपों की कांग्रेस के साथ सियासी रस्साकसी रही है।

खरगे-राहुल-केजरीवाल से मिल चुके हैं बिहार के सीएम

वहीं विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कोशिशें तेज कर दी हैं। अब तक अलग-अलग दलों के कई नेताओं से दोनों मुलाकात कर चुके हैं। इसकी शुरुआत 12 अप्रैल से हुई, जब दोनों ने दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात की थी। चर्चा है कि विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात के दौरान एक फॉर्मूले का भी जिक्र किया जा रहा है। इसी फॉर्मूले के आधार पर दलों को साथ आने के लिए कहा जा रहा है। आखिर वो फॉर्मूला क्या है? कैसे विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिशें हो रहीं हैं? आगे किन मुद्दों पर ये दल साथ आ सकते हैं? विपक्षी एकता के लिए जदयू और राजद साथ काम कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस भी अपनी ओर से अलग से कोशिशें कर रही है। कांग्रेस दक्षिण को साधने में लगी हई है। दक्षिण भारत के राज्यों के क्षेत्रीय दलों को एकजुट करने की जिम्मेदारी कांग्रेस के पास है। कुछ राज्यों में क्षेत्रीय दल पहले से ही कांग्रेस के साथ गठबंधन में हैं। अब इन दलों से बातचीत करके 2024 लोकसभा चुनाव में प्रस्तावित महागठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

दक्षिण के साथ-साथ वामदलों को भी एकसाथ लाने पर कांग्रेस काम कर रही है। 12 अप्रैल को नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव से मुलाकात के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने शरद पवार, अरविंद केजरीवाल से भी बात की थी।

खरगे के यहां 19 पार्टियों की हुई बैठक

पिछले महीने मानहानि के मुकदमे में सजा के आधार पर राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म किए जाने के बाद सपा, टीएमसी, आप और बीआरएस संसद में विपक्षी एकता का हिस्सा बने। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के यहां तब 19 पार्टियों की बैठक में संसद में हुई विपक्षी एकता को 24 के चुनाव के लिहाज से जमीन पर उतारने की पहल शुरू करने पर सहमति बनी।

कांग्रेस की केंद्रीय भूमिका से टीएमसी व सपा को परहेज नहीं

नीतीश से हुई चर्चाओं के बाद ममता और अखिलेश ने जिस तरह भाजपा के खिलाफ संपूर्ण विपक्ष को मजबूत करने की जरूरत खुले तौर पर स्वीकार की उससे साफ है कि इस दिशा में कांग्रेस की केंद्रीय भूमिका से दोनों को परहेज नहीं है। खास बात यह है कि इन दोनों क्षेत्रीय क्षत्रपों ने विपक्षी नेतृत्व का सवाल नहीं उठाया है। इसका संकेत साफ है कि कांग्रेस और नीतीश कुमार की संयुक्त रणनीति से विपक्ष को एकजुट करने की शुरू हुई कवायद में विपक्षी नेतृत्व की कमान के सवाल को अभी किनारे रखा जाएगा।

विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर बाद में होगी चर्चा

अखिलेश और ममता की नीतीश के साथ हुई मुलाकातों को विपक्षी एकता की दिशा में महत्वपूर्ण चर्चा की शुरूआत बताते हुए कांग्रेस के एक वरिष्ठ रणनीतिकार ने कहा कि बेशक भाजपा से लड़ने वाली सभी पार्टियों के लिए सबसे अहम यह है कि साथ आकर मजबूत चुनौती पेश करने का संदेश दिया जाए। इसमें विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व कौन करेगा, यह सवाल अभी कहीं नहीं आता और ममता-अखिलेश समेत सभी क्षेत्रीय क्षत्रपों को मालूम है कि विपक्षी एकता की पहल आगे बढ़ाने के लिए ऐसे मुद्दों में उलझने की जरूरत नहीं, जिनकी अभी प्रासंगिकता नहीं है।वैसे कांग्रेस ने रायपुर महाधिवेशन में प्रस्ताव पारित कर भाजपा के खिलाफ 2024 में व्यापक विपक्षी एकता के लिए कोई भी कुर्बानी देने के लिए तैयार होने की घोषणा कर विपक्षी नेतृत्व के सवाल को खुला छोड़े रखने का संदेश पहले ही दे दिया था।

शिवसेना ने भी विपक्षी एकता का किया समर्थन

सावरकर मुद्दे पर नाराजगी के चलते इस बैठक से दूर रही शिवसेना उद्धव गुट ने भी 20वें दल के रूप में अगले दिन इसका समर्थन कर दिया था। खरगे ने इसके बाद ही नीतीश कुमार, एमके स्टालिन और उद्धव ठाकरे को फोन कर विपक्षी एकता को आगे बढ़ाने की कसरत शुरू की। खरगे और राहुल गांधी के साथ नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की पिछले दिनों हुई बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि कांग्रेस से असहज रिश्ते रखने वाले विपक्षी खेमे के दलों को साथ लाने की पहल को बिहार के मुख्यमंत्री आगे बढाएंगे। नीतीश ने कांग्रेस नेतृत्व से चर्चा के तत्काल बाद ही केजरीवाल से मुलाकात कर विपक्ष के एकजुट होकर भाजपा का मुकाबला करने की रणनीति पर बातचीत की थी। केजरीवाल ने भी इस पर सकारात्मक रुख दिखाया और कांग्रेस को लेकर उनके रुख में हाल के दिनों में आई नरमी इसी ओर इशारा करती है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद होगी विपक्षी दलों की बैठक

उधर, पीटीआई के अनुसार, कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के खिलाफ संयुक्त मोर्चा बनाने के लिए करीब 19 दलों के शीर्ष विपक्षी नेताओं की बैठक होगी। कांग्रेस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इन नेताओं को पहले अप्रैल के अंत तक मिलना था। सूत्रों ने कहा कि 10 मई को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के कारण बैठक में देरी हुई है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के अगले महीने किसी समय बैठक की मेजबानी करने की संभावना है और इस संबंध में वह पहले ही कई अन्य पार्टियों के नेताओं से बात कर चुके हैं।

ममता, केजरीवाल और अखिलेश से संवाद करेंगे खरगे

कांग्रेस सूत्रों ने यह संकेत दिया कि नीतीश की इस पहल के साथ ही खरगे भी कर्नाटक चुनाव के बाद अपनी कोशिशों को आगे बढाएंगे और ममता बनर्जी, केजरीवाल, अखिलेश से लेकर केसीआर तक से संवाद करेंगे। विपक्ष के शीर्षस्थ नेताओं की बैठक कर्नाटक चुनाव के बाद बुलाए जाने की कोशिश होगी ताकि विपक्षी एकता की पहल ठोस दिशा में आगे बढ़ाई जा सके।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मानव संसाधन से मिल सकता है लाभ

कुछ दिन पहले भारत दुनिया में सबसे आबादी वाला देश बन गया। इसी के साथ उसने चीन को पछाड़ दिया। इस आंकड़े के दो पहलू हैं एक तो आबादी बढ़ने पर संसाधन भी प्रभावित होंगे। ज्यादा लोगों के लिए जरूरत की चीजें भी ज्यादा मुहैंया करानी पड़ेगी खैर वह तो सरकारें अपने हिसाब से नीतियों का निमार्ण कर इनका समाधान करेंगी। दूसरा पहलू इस बढ़ी हुई आबादी से लाभ भी उठाया जा सकता है। क्योंकि ये आबादी भी किसी भी देश के लिए संसाधन होते हैं जिसका उपयोग करके वो देश लाभ उठा सकता है। एक्सपर्ट का कहना है कि आबादी में चीन को पीछे छोड़ना भारत के पास एक सुनहरे मौके जैसा है। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज बढ़ने वाली इकॉनमी में शामिल है। ऐसे में बढ़ी हुई आबादी इसमें उसके लिए मददगार साबित हो सकती है।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की जारी स्टेट ऑफ द वर्ल्ड पॉप्युलेशन रिपोर्ट 2023 में बताया गया है कि इस साल जून के आखिर तक भारत की आबादी चीन से करीब 29 लाख ज्यादा हो जाएगी। जानकारों के मुताबिक, इसका मतलब यह है कि भारत की आबादी अभी ही चीन से ज्यादा हो चुकी है। हालांकि दोनों देशों की आबादी जिस रफ्तार से बढ़ रही थी, उसके मद्देनजर यह कोई चौंकाने वाली सूचना नहीं है। पहले से यह ट्रेंड दिख रहा था और यह होना तय माना जा रहा था। फिर भी, अगर भारत अब आबादी के लिहाज से दुनिया में पहले नंबर पर और चीन दूसरे नंबर पर आ गया है तो इसके कुछ निश्चित मायने हैं जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। अव्वल तो यह कि चीन में कामकाजी आबादी का अनुपात अब कम होता जाएगा जबकि भारत में यह अनुपात कम से कम 2055 तक एक पॉजिटिव फैक्टर के रूप में मौजूद रहने वाला है। संभवत: यह भी एक वजह है कि खबर आने के बाद चीन ने इसे नजरअंदाज करने की कोशिश की। उसने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता और यह कि उसके पास अब भी करीब 90 करोड़ लोगों की वर्कफोर्स मौजूद है। लेकिन फिर उसने यह भी कहा कि वर्कफोर्स में संख्या से ज्यादा अहमियत उसकी गुणवत्ता की होती है और उसके पास एजुकेटेड वर्कफोर्स है। चीन की ऐसी प्रतिक्रिया अकारण नहीं है। विशालकाय कामकाजी आबादी की बदौलत पिछले दशकों में चीन सस्ते श्रम के जरिए पूरी दुनिया में सस्ते प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट करता रहा, लेकिन अब वहां मजदूरी बढ़ रही है। इसलिए चीन के कई बिजनेस वियतनाम जैसे देशों में शिफ्ट हो रहे हैं, जहां लागत कम है। बहरहाल, ये चुनौतियां भारत के लिए नए अवसर साबित हो सकती हैं। दुनिया के बड़े देशों में आने वाले वक्त में भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार सबसे तेज रह सकती है।

“ संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की जारी स्टेट ऑफ द वर्ल्ड पॉप्युलेशन रिपोर्ट 2023 में बताया गया है कि इस साल जून के आखिर तक भारत की आबादी चीन से करीब 29 लाख ज्यादा हो जाएगी। जानकारों के मुताबिक, इसका मतलब यह है कि भारत की आबादी अभी ही चीन से ज्यादा हो चुकी है। हालांकि दोनों देशों की आबादी जिस रफ्तार से बढ़ रही थी, उसके मद्देनजर यह कोई चौंकाने वाली सूचना नहीं है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

योग्यता के आधार पर हो नुमाइंदे का चुनाव

आरती लोहानी

माफिया डॉन अतीक अहमद के मारे जाने से अन्य कई जरूरी मुद्दे छिप गए हैं या यूं कहा जाये कि छिपा दिए गए हैं। अतीक अहमद माफिया था परंतु यह भी सच है कि वह एक चुना हुआ सांसद था। इलाहाबाद सीट, जहां से देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू चुनकर आये थे उसी सीट से अतीक अहमद भी चयनित होता था। तात्पर्य यह है कि नेहरू जी और अतीक की कोई बराबरी नहीं है फिर भी दोनों जनता की ताकत से चुने जाते थे। जहां एक ओर नेहरू जी विद्वान, शिक्षित और दूरदर्शी थे वहीं उनके मतदाता कम पढ़े-लिखे रहे होंगे क्योंकि इस वक्त शिक्षा का स्तर आज की तरह नहीं था और न ही उस वक्त सभी बच्चों की स्कूल तक पहुंच थी। फिर भी उस वक्त जनता ने उस विजन को चुना जो देश को तरक्की की ओर ले गया, जिस सोच ने वर्तमान विकसित भारत को गढ़ा और जिस विचारधारा ने न केवल भारत बल्कि विदेशी जमीन पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ी। वहीं अतीक के केस में यह सब नहीं है। हां, इतना जरूर है कि नेहरू जी के तत्कालीन मतदाताओं की ही वर्तमान पीढ़ी अतीक की समर्थक है। यह सच है कि ये पीढ़ी पढी-लिखी है परंतु तार्किकता और बौद्धिक निर्णय लेने में उस पीढ़ी से कमतर ही मानी जायेगी। जरा सोचें कि मतदाता का कर्तव्य क्या होता है और मतदाता कौन होता है? दरअसल, एक लोकतांत्रिक देश में अपनी पसंद का नेता चुनने वाला मतदाता ही होता है जिसके पास यह ताकत होती है कि वह अपने एक वोट की ताकत से सत्ता-परिवर्तन कर सकता है। परंतु अगर यही मतदाता महज सम्प्रदाय, भाषा या किसी लालच के चलते बाहुबलियों, दुराचारियों या माफियाओं को चुनकर सत्ता तक भेजता है तो देश की इस हालत के लिए वह बराबर का दोषी है। वोटर की ऐसी गलती से वर्तमान ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियां भी प्रभावित होती हैं। वजह यह कि जनता अपराधियों को चुनकर जब सत्ता पर काबिज करेगी तो विज्ञान, इतिहास, भूगोल, पर्यावरण, नैतिकता और मूल्यों का हनन ही होगा। अपराधी मनुष्य अपने कृत्यों से समाज का नुकसान ही करता है।

वोट देने से पहले उम्मीदवार की शैक्षिक योग्यता, नैतिक मूल्य, वैचारिक रुझान और सेवा भाव वाले पक्ष को देखना-समझना जरूरी है न कि केवल धार्मिक पक्ष को। परन्तु पिछले कुछ दशकों से देश की राजनीति

की धुरी में धार्मिक स्थल और उनसे जुड़े मुद्दे ज्यादा हावी रहे हैं। धर्म-मजहब के नाम पर हिंसा का माहौल और सरकारों का बनना-बिगड़ना इस बात को इंगित करता है कि विकास की सही दिशा को छोड़ हम पीछे की तरफ जा रहे हैं। धर्म हर व्यक्ति का निजी मामला है और घर की दहलीज पार करते ही कोई भी इंसान संकीर्ण व्यवहार न करे तो ज्यादा अच्छा है। क्योंकि धर्म के नाम पर कट्टर होना पूरे समाज के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। धर्म तो मुहब्बत, परोपकार, दया और करुणा सिखाता है। इसके विपरीत जब धर्म की आड़ में हिंसा होने लगे तो यह उस व्यक्ति समेत पूरे समाज व राष्ट्र को प्रभावित करता है। इसलिए मतदाता को यह भली-भांति समझना होगा कि जो उम्मीदवार केवल धर्म का सहारा लेकर उसके पास वोट मांगने आये उसे उसी समय वापस भेज दो और वोट देकर सत्ता तक पहुंचने में उसकी मदद न की जाये। ऐसे भी उदाहरण हैं कि हमारे कई माननीय अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए उच्च संस्थानों में भेजते हैं और मंचों से भाषण देकर गरीब, वंचित वर्ग के लोगों के बच्चों को दंगई बनाने में कहीं न कहीं उनकी भूमिका पायी जाती है। इसलिए वोट देते वक्त उम्मीदवार की पृष्ठभूमि जरूर पता होनी चाहिए। धर्म-मजहब के नाम पर लड़ने वाले आम कार्यकर्ता के बच्चे क्या इससे पेट भर पाएंगे यह वोट देने से पहले सोचना चाहिए। मतदाता को तार्किक होना जरूरी है न कि किसी दल के प्रति श्रद्धा भाव रखने वाला क्योंकि इससे वह अपने राजनैतिक आका को आत्ममुग्ध बना सकता है जो स्थिति राष्ट्र के विकास में बाधक साबित होती है। हर पांच साल में जब नेता वोट मांगने निकले तो जनता को अपने सवालों के जवाब मांगने चाहिए कि इन पांच सालों में उसने उनके लिए क्या किया। जब सारी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि तकनीकी के बल पर बहुत आगे निकल चुकी है और हम आज भी पूजा-इबादत स्थलों के फेर में ही उलझे हैं। ऐसे वक्त में जब टेक्नॉलोजी ने मानव सभ्यता को असम्भव-सी लगने वाली चीजों से भी परिचित करवा दिया है हम आज भी किसी उम्मीदवार को महज इसलिए वोट दे देते हैं कि उसने संप्रदाय विशेष का चोगा पहना हुआ है। मतदाता अपनी जिम्मेदारी अगर सही से समझ जाएगा तो नाटकीयता से युक्त लोगों को कभी भी सत्ता के आसपास नहीं फटकने देगा। इसी प्रकार यदि कोई भी पार्टी किसी अपराधी को टिकट देती है तो वह इसके लिए जिम्मेदार होती है लेकिन अगर वह अपराधी चुनकर संसद तक जाता है तो इसमें उस जनता की भागीदारी भी बराबर की होती है जो उसे वोट देती है। इसलिए एक जिम्मेदार मतदाता को तार्किक और ईमानदार होना जरूरी है क्योंकि उसके एक बटन दबाने का फैसला उसकी आने वाली नस्लों को भी प्रभावित करने की ताकत रखता है।

दिल-दिमाग में साम्य से शिखर की कामयाबी

गुलशन नंदा के साहित्य के क्षेत्र में दस्तक देने की देर थी कि उन्हें हाथों-हाथ लिया गया। वर्ष 1960 से 1970 के दशक में उन्होंने पॉकेट बुक्स को जिन ऊंचाइयों पर पहुंचाया, उसे कोई दूसरा लेखक छू भी न सका। कहावत की तरह यह बात कही जाती है कि, 'अगर नंदा जी को पहले नम्बर पर रखा जाए तो आगे की नौ जगह खाली दिखाई देना लाजिमी थी। लिहाजा उनके बाद कोई नाम काबिलेजिक्र होगा तो 11वें नम्बर पर होगा।'

रेनू सैनी

हर व्यक्ति में कोई न कोई हुनर अवश्य होता है। अगर उसी हुनर को रोजी-रोटी में बदल दिया जाता तो अपरीमित सफलता प्राप्त होती है। हालांकि हुनर को रोजी-रोटी में बदलते हुए लोग डरते हैं कि कहीं सफल नहीं हुए तो परिवार कैसे चलेगा? 'द काइजेन' पुस्तक के लेखक रॉबर्ट माउरेर का कहना है कि, 'मस्तिष्क को इस तरह बनाया गया है कि कोई भी नई चुनौती, अवसर या इच्छा किसी न किसी तरह के डर को प्रेरित कर देती है।' इसलिए यह डर होना लाजिमी है, लेकिन उस डर से बाहर आने का सामना व्यक्ति तभी कर सकता है, जब वह चुनौतियों से ल?ता है। जीवन में आगे ब?ने के लिए चुनौतियों को पार करना ही प?ता है। चुनौतियां जीवन का एक अभिन्न हिस्सा हैं। वह व्यक्ति खुशकिस्मत होता है, जिसके जीवन में चुनौतियों का भंडार होता है और वह व्यक्ति सफलता का राजा बन जाता है जो चुनौतियों को सूझबूझ के साथ अवसर में बदल लेता है। गुलशन नंदा से हर गंभीर पाठक परिचित है।

बहुत पहले दिल्ली के चांदनी चौक के पास न्यू देहली ऑप्टिकल्स नाम से एक चश्मे की दुकान हुआ करती थी। 1950 के दशक में गुलशन नंदा इसी दुकान में काम करते थे। लेकिन यह नौकरी उनके मन के मुताबिक नहीं थी। उनका मन तो लिखने में रमता था, पर लेखन के भरोसे भला नौकरी कैसे छो? देते? यही कशमकश उन्हें आगे ब?ने से रोके रखती थी। चश्मे की दुकान में काम करने से मिलने वाले रुपयों से परिवार की गुजर-बसर बमुश्किल होती थी, ऐसे में अगर उसे भी छो? देते तो उनके परिवार की नैया कैसे पार होती? उनकी जिंदगी में कोई उत्साह नहीं था। बस रोज सुबह दुकान पर आते और शाम ढलते घर चल देते। दिन इसी तरह बीत रहे थे। एक दिन गुलशन नंदा बस में सफर कर रहे थे। उनके साथ एक सहयात्री बैठे थे। बातचीत में सहयात्री और वे अपने मन की व्यथा एक-दूसरे से कह बैठे। गुलशन नंदा की व्यथा सुनकर सहयात्री बोले, 'तुम्हें लिखना शुरू करना चाहिए। दम होगा तो वह छपेगा और उसे पाठकों का प्यार भी मिलेगा। हर काम में चुनौतियों से तो जूझना ही प?ता है। क्या नौकरी में कम जूझ रहे हो? अगर लेखन में जूझोगे तो कम से कम मन को राहत तो मिलेगी।' सहयात्री की इन बातों ने गुलशन नंदा के लिए संजीवनी का काम किया। इसके बाद उन्होंने लुगदी साहित्य के संसार में दस्तक दे दी। नौकरी छो? दी और स्वयं को पूरी तरह लेखन के लिए समर्पित कर दिया। नौकरी छो?ने के बाद जो हुआ, उससे भला कौन अनभिज्ञ है?

गुलशन नंदा के साहित्य के क्षेत्र में दस्तक देने की देर थी कि उन्हें हाथों-हाथ लिया गया। वर्ष 1960 से 1970 के दशक में उन्होंने पॉकेट बुक्स को जिन ऊंचाइयों पर पहुंचाया, उसे कोई दूसरा लेखक छू भी न सका। कहावत की तरह यह बात कही जाती है कि, 'अगर नंदा जी को पहले नम्बर पर रखा जाए तो आगे की नौ जगह खाली दिखाई देना लाजिमी थी। लिहाजा उनके बाद कोई नाम काबिलेजिक्र होगा तो 11वें नम्बर पर होगा।'

जब उनके उपन्यासों ने तहलका मचाना शुरू कर दिया तो उन्होंने मुंबई की ओर रुख किया। वहां उन्होंने फिल्मी लेखन में हाथ आजमाया और दो दर्जन से अधिक सफल फिल्मों की कहानियां लिखीं। फिल्मफेयर अवॉर्ड के 'बेस्ट स्टोरी' वर्ग में उनका कई बार नामांकन हुआ। इनमें 'काजल', 'नीलकमल', 'खिलौना', 'कटी पतंग' और 'नया ?माना' फिल्म प्रमुख हैं। सभी प्रकाशक नंदा जी को छापने के लिए हो? में लगे थे। लेकिन नंदा साल में केवल एक उपन्यास लिखते थे। ऐसे में उनके ऊपर 'एक अनार सौ बीमार' वाली कहावत चरितार्थ होती थी। जब वे दिल्ली आते थे तो प्रकाशक अटैची में रुपये भरकर उनके पास लाते थे और उनके मना करते-करते भी छो? जाते थे। ऐसी थी गुलशन नंदा की सफलता। एक ऐसे व्यक्ति की सफलता जो अगर चुनौतियों का सामना करने का साहस न जुटाते तो शायद सारी जिंदगी एक चश्मे की दुकान पर गुमनामी में बिता देते। अब वह चश्मे की दुकान चांदनी चौक में नहीं है। लेकिन पूरा चांदनी चौक गुलशन नंदा से भली-भांति परिचित है।

जब गुलशन नंदा से उनकी आश्चर्यजनक कामयाबी का रहस्य पूछा जाता था तो वे मुस्करा कर अपने मस्तिष्क की ओर इशारा करते हुए कहते थे, 'मैंने अपने हृदय की सुनकर मस्तिष्क का उपयोग किया और सफलता तक पहुंच गया। मैं आज भी अपने उस सहयात्री को नहीं भूला जिसके कारण मेरे मस्तिष्क ने मुझे लेखन की ओर प्रेरित किया।' जॉर्ज ल्यूकास का कहना है कि, 'ईश्वर ने हमें एक मस्तिष्क दिया है और यह हमें बचाने वाली एकमात्र ची? है। सभी जीवों के पास कोई न कोई लाभ, चालाकी, पंजे, छल, ?हर, गति या कोई न कोई ची? होती है, जिससे उन्हें बचे रहने में मदद मिलती है। हमारे पास सिर्फ मस्तिष्क है। इसलिए अपने मस्तिष्क का इस्तेमाल करना हमारा कर्तव्य है।'

गर्मियों में ठंडक देते हैं ये ड्राई फ्रूट्स

आलूबुखारा

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर सूखे आलूबुखारे कई तरह के फायदे पहुंचाते हैं। आप नाश्ते में इसे खाने के साथ ही वर्कआउट से पहले या बाद में भी इसे खा सकते हैं। आलूबुखारा पाचन दुरुस्त रखने में मदद मददगार होता है, लेकिन 2-3 से ज्यादा न खाएं।

बढ़ते तापमान के साथ ही गर्मी ने जोर पकड़ लिया है। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। ऐसे में इस मौसम में खुद को सेहतमंद रखने के लिए लोग अपनी लाइफस्टाइल में तरह-तरह के बदलाव कर रहे हैं। गर्मी में इस मौसम में तेज धूप से खुद को बचाने और शरीर में ठंडक बनाए रखने के लिए लोग डाइट में ऐसे फूड आइटम्स शामिल कर रहे हैं, जो उन्हें सेहतमंद बनाए रखे। ऐसे में इस सीजन स्वस्थ रहने के लिए आप कुछ ड्राई फ्रूट्स को भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। कई ऐसे ड्राई फ्रूट्स हैं, जिन्हें खाने से गर्मी में आपके शरीर में ठंडक बनी रहती है।

किशमिश

किशमिश एक ऐसा ड्राई फ्रूट है, जिसे आप कभी भी खा सकते हैं। इसका इस्तेमाल व्यंजनों का स्वाद बढ़ाने के लिए भी किया जाता है। आप गर्मी के मौसम में भी किशमिश का सेवन कर सकते हैं। हालांकि, इसे खाने से पहले 3-4 घंटे पानी में भिगोकर जरूर रखें। इसके अलावा आप दूध में किशमिश उबालकर भी खा सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि 5-6 किशमिश से ज्यादा न खाएं।

खजूर

गर्मियों के मौसम में आप बिना किसी हिचक के खजूर और छुहारा खा सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि आप दिन 2-3 खजूर से ज्यादा न खाएं। रातभर में पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट खजूर खाना फायदेमंद होगा। इसके लिए आप इसे दूध उबालकर भी खा सकते हैं।

अंजीर

कई गुणों से भरपूर अंजीर सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। गर्मियों में मौसम में इसे खाने से भी कई फायदे मिलते हैं। ऐसे में आप रोजाना सूखे अंजीर के 2-3 टुकड़े खा सकते हैं। इसके अलावा आप इसे 4-5 घंटे के लिए पानी में भिगोकर भी इसे खा सकते हैं। साथ ही दूध के साथ अंजीर का सेवन भी गुणकारी होगा।

खुबानी सेहत के लिए है लाभकारी

कम मिठास और लो कैलोरी की वजह से खुबानी सेहत के लिए काफी लाभकारी होता है। हालांकि, गर्मियों में अगर आप इसका सेवन कर रहे हैं, तो 2 से अधिक टुकड़े न खाएं। इसके अलावा आप सूखे खुबानी के टुकड़े पानी में भिगोकर या दूध के साथ भी खा सकते हैं।

हंसना मना है

बाप ने अपने बेटे की तलाशी ली तो जैकेट में से, सिगरेट, गुटखा और लड़कियों के फोन नंबर निकले...बाप ने बेटे को खूब मारा और पूछा कब से चल रहा है ये सब...तभी मम्मी बोली आप उसे बोलने तो दो...बेटा-पापा मुझे क्यों मार रहे हैं ये तो जैकेट आप की ही है...बस तब से मम्मी के डर से पापा की बोलती बंद है।

साली- अगर रात में मच्छर काटे तो क्या करना चाहिए? जीजा- चुपचाप कंबल ओढ़कर सो ही जाना चाहिए क्योंकि आप रजनीकांत तो हैं नहीं जो मच्छर से सॉरी बुलवा लेंगे।

एक महिला अपनी सहेली से- मुझे अपने पति पर शक है, वो छिप-छिपकर किसी से मिलते हैं। सहेली- तो अब क्या करेगी तू... महिला- कल ही उनके पीछे अपना बॉयफ्रेंड लगाती हूं...

गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप के बाद देहाती लड़का रोता हुआ मंदिर में जाकर भगवान से बोला... बिछड़ा यार मिला दे, ओ रब्बा... भगवान- बगल में हनुमान मंदिर है, वहीं जाकर प्राथमिकी दर्ज कराओ, माता सीता को उन्होंने ही ढूंढा था...

पत्नी- मैं बचूंगी नही मर जाउंगी! पति - मैं भी मर जाऊंगा! पत्नी- मैं तो बीमार हूं इसलिए मर जाउंगी लेकिन तुम किसलिए? पति - मैं इतनी खुशी बर्दास्त नही कर पाउंगा...

कहानी | साधु और चूहा

बहुत समय पहले की बात है। एक गांव में एक साधु मंदिर में रहा करता था। उनकी दिनचर्या रोजाना प्रभु की भक्ति कराना और आने-जाने वाले लोगों को धर्म का उपदेश देना थी। गांव वाले भी जब भी मंदिर आते, तो साधु को कुछ न कुछ दान में दे जाते थे। इसलिए, साधु को भोजन और वस्त्र की कोई कमी नहीं होती थी। रोज भोजन करने के बाद साधु बचा हुआ खाना छींके में रखकर छत से टांग देता था। समय ऐसे ही आराम से निकल रहा था, लेकिन अब साधु के साथ एक अजीब-सी घटना होने लगी थी। वह जो खाना छींके में रखता था, गायब हो जाता था। साधु ने परेशान होकर इस बारे में पता लगाने का निर्णय किया। उसने रात को दरवाजे के पीछे से छिपकर देखा कि एक छोटा-सा चूहा उसका भोजन निकालकर ले जाता है। दूसरे दिन उन्होंने छींके को और ऊपर कर दिया, ताकि चूहा उस तक न पहुंच सके, लेकिन यह उपाय भी काम नहीं आया। उन्होंने देखा की चूहा और ऊंची छलांग लगाकर छींके पर चढ़ जाता और भोजन निकाल लेता था। अब साधु चूहे से परेशान रहने लगा था। एक दिन उस मंदिर में एक भिक्षुक आया। उसने साधु को परेशान देखा और उसकी परेशानी का कारण पूछा, तो साधु ने भिक्षुक को पूरा किस्सा सुना दिया। भिक्षुक ने साधु से कहा कि सबसे पहले यह पता लगाना चाहिए कि चूहे में इतना ऊंचा उछलने की शक्ति कहां से आती है। उसी रात भिक्षुक और साधु दोनों ने मिलकर पता लगाना चाहा कि आखिर चूहा भोजन कहां ले जाता है। दोनों ने चुपके से चूहे का पीछा किया और देखा कि मंदिर के पीछे चूहे ने अपना बिल बनाया हुआ है। चूहे के जाने के बाद उन्होंने बिल को खोदा, तो देखा कि चूहे के बिल में खाने-पीने के सामान का बहुत बड़ा भण्डार है। तब भिक्षुक ने कहा कि इसी वजह से ही चूहे में इतना ऊपर उछलने की शक्ति आती है। उन्होंने उस सामग्री को निकाल लिया और गरीबों में बांट दिया। जब चूहा वापस आया, तो उसने वहां पर सब कुछ खाली पाया, तो उसका पूरा आत्मविश्वास समाप्त हो गया। उसने सोचा कि वह फिर से खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेगा। यह सोचकर उसने रात को छींके के पास जाकर छलांग लगाई, लेकिन आत्मविश्वास की कमी के कारण वह नहीं पहुंच पाया और साधु ने उसे वहां से भगा दिया।

कहानी से सीख- संसाधनों के अभाव में आत्मविश्वास की कमी हो जाती है। इसलिए, जो भी संसाधन आपके पास हों, उसका ध्यान रखना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज लोग आपसे प्रभावित हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में किसी पुरानी बात को लेकर आप घर के लोगों से उलझ सकते हैं जिससे परिवार से आपकी दूरी बढ़ेगी।

वृषभ

आज का दिन अच्छा रहेगा। परिवार वालों के साथ वक्त बिताने में मजा आएगा। मन हल्का होगा, जीवन ऊर्जा बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन खुशनुमा रहेगा।

मिथुन

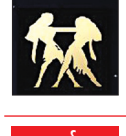

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। वर्क फ्रॉम होम कर रहे लोगों को आज कोई नई जिम्मेदारी मिलेगी, जिसे पूरा करने में आप सफल होंगे।

कर्क

आज अपनी वाणी और व्यवहार को संयमित रखना आपके ही हित में है। घर के कार्यों में जीवनसाथी की मदद करेंगे। खर्चों में लगाम लगायें वरना मुश्किल हो सकती है।

सिंह

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। प्रॉपर्टी के मामले में कोई अच्छा फायदा आपको मिल सकता है। सोशल मीडिया से कोई बढ़िया समाचार सुनने को मिलेगा।

कन्या

आज आपकी भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। आपकी सेहत भी पहले से बेहतर बनी रहेगी। आज किसी भी काम को जल्दबाजी में करने से आपको बचना चाहिए।

तुला

स्वास्थ्य की दृष्टि से देखा जाये तो आज का दिन आपके लिए बेहतर सिद्ध होगा। आप व्यवस्थित रुप से आर्थिक योजना बना सकेंगे।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। भाग्य का सितारा बुलंद रहेगा, जिससे कामों में सफलता मिलेगी। समाज में अच्छा स्थान मिलेगा। घरेलू कार्य में भी मदद करेंगे।

धनु

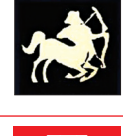

आज कोई काम करते समय मन को शांत रखना चाहिए। इससे आपका काम समय पर पूरा होगा। आपको किसी विषय को समझने में परेशानी आ सकती है।

मकर

आज आय-व्यय बढ़ा हुआ रहेगा। बच्चों का स्वभाव थोड़ा उखड़ा रह सकता है। छोटी-छोटी बातों को लेकर वे चिढ़ सकते हैं। घर परिवार का भरपूर सहयोग तथा साथ मिलने वाला है।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। आपके काम की तारीफ होगी और काम के सिलसिले में आपके प्रयास सार्थक होंगे।

मीन

आज आप अपनी लाइफ में कुछ बदलाव करने की कोशिश करेंगे, जो आपके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। शत्रु पक्ष से आपको दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

इससे बेहतर शुरुआत नहीं हो सकती थी : पलक तिवारी

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू मारी है। पलक ने कहा है- वह इंडस्ट्री में अपने दम पर जगह बनाने की कोशिश करेंगी। उन्होंने कहा कि फिल्म को लेकर अब तक उनकी मां ने कोई रिक्शन नहीं दिया है। पॉप्युलर टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी और डेब्यू एक्ट्रेस पलक तिवारी इस वक्त चर्चा में हैं सलमान खान के साथ अपनी पहली फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर। पलक का कहना है कि एक कलाकार की बेटी होने के नाते उन्हें मिलने वाले खास मौके का उन्हें एहसास है, लेकिन वह इंडस्ट्री में अपने दम पर जगह बनाने की कोशिश करेंगी। पलक ने कहा, मैं न तो स्टार किड हूं और न आम इंसान। मुझे बस इतना फायदा मिला है कि लोग मुझे आसानी से पहचान लेते हैं। इसका मतलब ये नहीं है कि इसकी (मां के एक्ट्रेस होने की) वजह से मुझे काफी काम मिलने लगा हो। हालांकि मैं फिर भी खुद को खुशकिस्मत समझती हूं। उन्होंने कहा, ये मेरे लिए नया है, लोग मुझे इससे पहले भी पहचानते थे लेकिन मेरी मां की उपलब्धियों की वजह से। बता दें कि इससे पहले पलक सलमान खान के भाई अरबाज खान की फिल्म रोज़ी: द सैफ्रॉन चैप्टर से अपने करियर की शुरुआत करने वाली थीं, लेकिन उस फिल्म के काम को फिलहाल रोक दिया गया है। पलक ने कहा, जो होता है अच्छे के लिए होता है। फिल्म रोज़ी पर बात नहीं बन पाई लेकिन उसके बाद मुझे बहुत बड़े कलाकार (सलमान) के साथ काम करने का मौका मिला। मुझे नहीं लगता है कि इससे बेहतर शुरुआत कोई हो सकती थी। इब्राहिम अली खान के साथ चेहरा छुपाते नजर आईं पलक तिवारी, डेटिंग की खबरें वायरल फिल्म किसी का भाई किसी की जान मिलने पर उनकी मां श्वेता तिवारी के रिएक्शन के बारे में पूछे जाने पर पलक ने कहा, उन्होंने अभी तक कोई रिएक्शन नहीं दिया है। वह शायद फिल्म आने के बाद या शायद तीन या चार फिल्में आने के बाद तारीफ करें।

कहा- ऐसा नहीं कि मां की वजह से काफी काम मिलने लगा हो

पैपराजी ने की परिणीति की शादी में आने की फरमाइश

एक्ट्रेस बोलीं- तुम लोग पागल हो चुके हो

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और आप नेता राघव चड्ढा का रिश्ता पिछले काफी दिनों से सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। दोनों का अक्सर एक-साथ स्पॉट होना लोगों के दिलों-दिमाग में उत्सुकता पैदा कर रहा है। हालांकि, दोनों अपने रिश्ते पर चुप्पी साधे हुए हैं। फैंस और मीडिया के बार-बार पूछने पर भी परिणीति और राघव कुछ भी कहने के लिए तैयार नहीं हैं। हालांकि, लेटेस्ट रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि परिणीति और राघव ने हाल ही में एक निजी समारोह में सगाई की है। इसी बीच अब एक लेटेस्ट वीडियो सामने आया है, जिसमें परिणीति ने पैपराजी द्वारा एक रिक्वेस्ट पर बड़ा ही मजेदार जवाब दिया है। बीते दिन शाम को परिणीति चोपड़ा को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। जैसे ही वह अपनी कार से बाहर निकलीं, पैपराजी ने उन्हें घेर लिया और राघव संग उनकी शादी पर सवाल करने लगे। पहले तो परिणीति मुस्कुराती रहीं। इसके बाद पैपराजी ने उनसे राघव और अपनी शादी की तारीख का खुलासा करने को कहा क्योंकि वे सभी अभिनेत्री की शादी में लड़की वालों की तरह शामिल होना चाहते हैं। परिणीति ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, तुम लोग पागल हो चुके हो। आपको बता दें, हाल ही में परिणीति को अपनी रिंग फिंगर में सिल्वर बैंड पहने देखा गया था, जिसके बाद से उनकी और राघव की सगाई की खबरों का बाजार गरम हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिणीति और राघव ने परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में सगाई कर ली है। बताया जा रहा है कि दोनों इसी साल अक्टूबर के अंत तक शादी कर इतना ही नहीं कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि परिणीति शादी करने की जल्दी में नहीं हैं क्योंकि वह इस समय अपने आगामी पजोक्ट्स में काफी व्यस्त हैं। वह कई फिल्मों में काम करती नजर आने वाली हैं।

बॉलीवुड मसाला

बॉलीवुड बाक्स ऑफिस

मंडे टेस्ट में सलमान की फिल्म ने गाड़े झंडे, चौथे दिन की तूफानी कमाई

सलमान खान की मच अवेटेड मूवी किसी का भाई किसी की जान ईद के मौके पर यानी 21 अप्रैल को रिलीज हो गई। फिल्म की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार रही। पहले दिन फिल्म ने 15.81 करोड़ की कमाई की, जबकि दूसरे दिन फिल्म का कलेक्शन 25.75 करोड़ के आसपास रहा। तीसरे दिन सलमान खान की फिल्म में उछाल देखने को मिला। किसी का भाई किसी की जान ने रिलीज के तीसरे दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 25-27 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। वहीं अब सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान का बॉक्स ऑफिस डे 4 की रिपोर्ट आ गई है और यह उस दिन की रिपोर्ट है जब सभी फिल्में (जो शुक्रवार को रिलीज़ हुईं) एक टेस्ट से गुजरती हैं, जिसे ट्रेड एनालिस्ट ने मंडे का टेस्ट नाम दिया है। रविवार से लगभग 60 प्रतिशत की कमी के साथ, फिल्म ने चौथे दिन यानी 24 अप्रैल को 9-11 करोड़ के बीच कमाई की है। इसी के साथ फिल्म का कुल आंकड़ा 77-79 करोड़ के बीच पहुंच गया है। बता दें, फिल्म ने अपने रिलीज के पहले दो दिनों में 41.56 करोड़ कमाए। वीकेंड पर सलमान खान की फिल्म ने तो बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कलेक्शन कर लिया था। असली टेस्ट अब वीकडेज को अच्छे नंबर्स के साथ पास करना है। फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित इस फैमिली ड्रामा फिल्म में पूजा हेगड़े, शहनाज गिल, राघव जुयाल, जस्सी गिल, पलक तिवारी, सिद्धार्थ निगम, जगपति बाबू, वेंकटेश, विजेंदर सिंह जैसे कलाकार नजर आए हैं।

पड़ोस की लड़की का अजीब कारनामा 800 रु. में लिखा लिया 3 करोड़ का बंगला

आपने फर्जीवाड़े की तमाम कहानियां सुनी होंगी, लेकिन यह कहानी आपको हैरान कर देगी। 35 साल की एक लड़की जो पड़ोस में रहती थी, मददगार बनकर आई और महज 10 डॉलर यानी 800 रुपये में 3 करोड़ का बंगला अपने नाम कर लिया। मकान की मालकिन बन बैठी। अब दावा कर रही कि सबकुछ पुराने मकान मालिक की मर्जी से हुआ। हाल ही में, 35 साल की ऑरेलिया सूगिया को न्यूयॉर्क पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसे जब अदालत में पेश किया गया तो कोई और ही कहानी बताने लगी और खुद के दोषी न होने की दलील तक दी। सूगिया ने बताया कि वह 78 वर्षीय रोजमेरी मीका के घर आया जाया करती थी। क्योंकि मीका ही उसे मदद के लिए बुलाती थी। जब उनकी उम्र ज्यादा हो गई तो उन्होंने खुद यह घर मेरे नाम कर दिया। सूगिया ने यहां तक दावा किया कि उसके पास दोनों के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग भी मौजूद है। उस समय का टिकट भी है जब मीका को लेकर वह रजिस्ट्रार कार्यालय गई हुई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मीका ने सूगिया को झूठा बताते हुए कहा, मैंने कभी घर देने की बात नहीं कही। यह सही है कि वह मेरी देखभाल करती थी। समय-समय पर घर आ जाया करती थी ताकि मदद कर सके, लेकिन घर मैनें नहीं लिखा। सूगिया का यह दावा भी बिल्कुल गलत है कि डीड पर हस्ताक्षर वाले दिन वह रजिस्ट्री कार्यालय गई थी। मैंने स्वेच्छा से अपनी संपत्ति नहीं सौंपी है। सारे दस्तावेज और ऑडियो रिकॉर्ड गढ़े हुए हैं। यह कोई पहला मामला नहीं है। पूरे अमेरिका में इस तरह की घटनाएं इन दिनों खूब हो रही हैं। मई 2022 में, जॉर्जिया के एक व्यक्ति पर पूरे उत्तरी कैरोलिना में छह संपत्तियों को हथिया लिया था। जॉर्जिया के यशायाह रॉबर्ट लुईस बासकिंस जूनियर पर दिसंबर 2018 और सितंबर 2019 के बीच छह लोगों के नाम और पते और किसी अन्य व्यक्ति के सामाजिक सुरक्षा कार्ड का उपयोग करके जमीन हथियाने का आरोप लगा था।

अजब-गजब

2 साल के बच्चे को कीड़ा खिला रही मां, कहा-

खूब मिलता है प्रोटीन, नहीं होगी खून की कमी

बच्चे को क्या खिलाएं-क्या नहीं खिलाएं, यही सोच-सोच कर माताएं हमेशा परेशान रहती हैं। क्योंकि यह उम्र उसके शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी है। ऐसे में उन्हें जितना पोषणयुक्त खाना मिले, उतना अच्छा। जितना प्रोटीन दे सकें, फैट दे सकें, उतना बेहतर। लेकिन एक मां ने प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए अजीबोगरीब तरीका अपनाया। वह अपने 2 साल के बच्चे को कीड़ा खिला रही है। दावा है कि इसमें खूब प्रोटीन होता है और अन्य सप्लीमेंट की कमी को भी पूरा करता है।

कनाडा के टोरंटो शहर में रहने वाली वीनस कलामी खुद भी फूड ब्लॉगर हैं। उन्होंने कहा, मैनें अब तक जिन देशों की यात्रा की है वहां कुछ न कुछ नया ट्राई करने की कोशिश की है। तली हुई टारेंटयुला टांगों से लेकर बिच्छू तक सब कुछ चखा है। मैंने थाईलैंड और वियतनाम जैसे देशों की यात्रा के दौरान झींगुर और चींटियों का भी आनंद लिया है। मुझे यह काफी पसंद आया था। मैं चाहता हूं कि यह हमारे रूटीन के भोजन में भी शामिल होना चाहिए। कुछ दिनों पहले मैं जब वापस आया तो अपने 2 साल के बच्चे को भी यह खिलाने का फैसला किया। केवल 2 बड़ा चम्मच झींगुर पाउडर एक बच्चे की दैनिक प्रोटीन की जरूरत का 100 प्रतिशत प्रदान करता है। इससे आयरन की कमी पूरी होती है और बच्चे को कभी एनीमिया भी नहीं होगा। पाचन तंत्र भी बेहतर होगा। इनसाइडर की खबर के मुताबिक, कलामी ने कहा- आप सोच रहे होंगे कि यह जिद्दीपने की बात है, लेकिन हकीकत ये है कि मैं अपने फूड बिल में कटौती करना चाहता था। महंगाई इतनी ज्यादा है कि हर हफ्ते खाने पर अब 300 डॉलर तक ज्यादा खर्च हो रहा है। हम अक्सर मांस नहीं खरीद पाते। इसकी वजह से बच्चे को सही प्रोटीन नहीं मिल पा रहा था। उसके बाद मेरे दिमाग में आइडिया आया। मैनें उसे झींगुर का पफ स्नैक्स, झींगुर से बना प्रोटीन पाउडर और भूने हुए झींगुर खिलाने का फैसला किया। इससे हमारे वीकली फूड बिल में 300 डॉलर तक की कमी आ गई। बाल रोग विशेषज्ञ कलामी ने कहा, बच्चों को क्या खाना है, क्या नहीं खाना है। उनकी च्वाइस इसी उम्र में तय हो जाती है। अगर वे सबकुछ खाना शुरू कर देंगे तो बाद में उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। वे किसी भी माहौल में रह लेंगे। उनके अंदर नकारात्मक भावना नहीं आएगी। रूढ़िवादिता से आगे निकलने की उनमें शक्ति होगी। कलामी ने कहा, मैं उसे 6 महीने की उम्र से ही देना चाहता था लेकिन मुझे रोक दिया गया। उन्होंने अन्य मांओं को भी यह सलाह दी। कहा-बच्चों को देने से पहले तय कर लें कि उन्हें कैसे देना ठीक होगा। आप दलिया में पिसी हुई झींगुर मिला सकती हैं। उसका प्यूरी बनाकर डाल सकती हैं। या फिंगर फूड के रूप में भी दे सकती हैं।

शिवराज झूठ की मशीन : कमलनाथ

बोले- किसानों की आय नहीं, हाय दोगुनी हुई

» सरकार ने किसानों को बनाया डिफाल्टर और महंगी की बिजली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ ने सीएम शिवराज को झूठ की मशीन बताते हुए कहा कि किसानों की आय नहीं हाय दोगुनी हुई। इस पर सीएम शिवराज ने भी पलटवार करते हुए कहा कि वो तो हाय-हाय ही करेंगे। पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि शिवराज जी जनता आप को पहले से ही झूठ की मशीन कहती है, लेकिन अब तो आपने प्रधानमंत्री को भी अपने झूठ में शामिल कर लिया।

आपने कहा कि मध्यप्रदेश में किसानों की आय दोगुनी हो गई है। मैं आपको बताता हूं कि मध्यप्रदेश में किसानों की आय नहीं, हाय दोगुनी हो गई है। और किसानों की यह हाय आपको ऐसी लगेगी कि सत्ता आपको बाय कहने वाली है। आपने किसानों की कर्ज माफी बंद कर दी। आपने किसानों को एमएससी पर मिलने वाला बोनस बंद कर दिया। आपने 34 लाख किसानों को डिफाल्टर बना दिया। आपने किसानों की बिजली महंगी कर दी। आपने किसानों को ओलावृष्टि का मुआवजा नहीं दिया। मध्य प्रदेश के किसानों की आमदनी पहले की तुलना में कम हो गई है। किसानों में हाहाकार मचा हुआ है। इसीलिए मैं आपसे कह रहा हूं कि झूठ बोलना बंद कर दीजिए।

नाथ तो हाय-हाय करेंगे ही : शिवराज

वहीं, सीएम शिवराज सिंह चौहान ने पलटवार करते हुए कहा कि जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी। वो तो हाय-हाय ही करेंगे। मैं अकेले रीवा का उदाहरण दे रहा हूं। गेहूं का उत्पादन साढ़े चार गुना हो गया, जाकर देख लें। धान का उत्पादन साढ़े पांच गुना हो गा। सरसों का उत्पादन 35 गुना हो गाय है। मूंग का उत्पादन सात गुना हो गया है। अब कमलनाथ बेचारे किसान की बात क्या जाने। खेती से उनका वास्ता क्या है। सीएम ने कहा कि श्री महाकाल लोक कब बना, सलकलपुर देवी लोक की कब बाते हुई थी। हम तो 17 साल से काम कर रहे है। चुनाव देखकर चार लाख किमी सड़कें बनाई क्या? कांग्रेसियों से पूछना चाहता हूं, कांग्रेस, राजा, नवाब सब ने साढ़े सात लाख हेक्टेयर में सिंचाई की। 50 साल कांग्रेस ने राज करके कितनी सिंचाई की? हमने सिंचाई 45 लाख हेक्टेयर पहुंचा दी। बिजली का उत्पादन 2900 मेगा वाट था, जो हमने 28 हजार मेगावाट कर दिया। विकास तो भारतीय जनता पार्टी में होता है। अब ऐसा थोडी है कि विकास बंद कर दें। विकास जारी रहेगा, जलने वाले जलते रहे।

आगरा में मकान की छत गिरी, दो बच्चों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में मंगलवार देर रात बड़ा हादसा हुआ है। खेरागढ़ कस्बा के नगला उदैया मार्ग स्थित सुभाष अग्रवाल के मकान की पट्टी (पत्थर) से बनी छत देर रात करीब 2:30 बजे अचानक गिर गई। छत गिरते ही चीख-पुकार मच गई। हादसे में महिला सुरभि अग्रवाल पत्नी विष्णु अग्रवाल, उसका पुत्र आरुष (5), पुनीत (17) पुत्र ब्रजेश समेत तीन लोग मलबे में दबकर घायल हो गए।

घटना के बाद आसपास के लोग जमा हो गए। आनन-फानन सभी को मलबे से निकाला गया गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां आरुष और पुनीत की इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तीन लोग बाल-बाल बच गए। बच्चों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है।

हफ्ते के आखिरी दिनों में बरसेंगे बदरा, तपिश से मिलेगी राहत

» चढ़ता-उतरता रहा अधिकतम पारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में तीनचार दिन तक गर्मी से राहत बरकरार रहेगी। 28 व 30 को बारिश होने के आसार है। राजधानी में लखनऊ में मंगलवार को भी मौसम में नमी रही, हवा के आगे धूप बेअसर रही। रात का पारा भी 3.3 डिग्री गिरकर 16.7 डिग्री दर्ज हुआ, यह सोमवार को 20 डिग्री दर्ज हुआ था। सोमवार की सुबह ठंडी हवाओं के साथ हुई। हालांकि दिन चढ़ने के साथ-साथ धूप खिलती गई, पर उसमें नरमी रही।

दिन के तापमान में मामूली बढ़ोतरी हुई और एक दिन पहले के 31.4 की अपेक्षा पारा 33.7 डिग्री रहा। तापमान में गिरावट, हवा और बेअसर धूप के कारण घरों-बाजार में एसी की जरूरत कम महसूस हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, 28 से बादल फिर छाएंगे। 29 और 30 फिर बारिश के आसार बन रहे हैं। बीती 21 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40 डिग्री से गिरना शुरू हुआ था। इसके बाद ये 31.4 डिग्री सेल्सियस से 37 डिग्री के बीच बना रहा। दो बार पांच-पांच डिग्री की गिरावट इसमें दर्ज की गई। 26 अप्रैल से एक मई के बीच अधिकतम तापमान 31 डिग्री से 37 डिग्री के बीच बना रहने के आसार हैं, जबकि न्यूनतम तापमान 20 से 23 डिग्री के बीच बना रहने के आसार हैं।

ताज कॉरिडोर घोटाले पर सुनवाई 22 मई को

» बढ़ सकती हैं मायावती की मुश्किलें, 175 करोड़ के घोटाले में 11 आरोपित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुचर्चित ताज कॉरिडोर परियोजना में घोटाले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सीबीआइ पश्चिम के विशेष न्यायाधीश की अदालत में इस मामले की सुनवाई 22 मई को होगी। इसी दिन सीबीआइ को इस घोटाले से जुड़े आरोपितों को लेकर स्पेशल लीव पिटीशन (एसएलपी) के बारे में भी जानकारी देनी होगी।

175 करोड़ रुपये की कॉरिडोर परियोजना में किए गए घोटाले में सीबीआइ को नेशनल प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनपीसीसी) के सेवानिवृत्त एजीएम महेन्द्र शर्मा के खिलाफ बीस साल बाद पहली बार अभियोजन की मंजूरी मिल गई है। इस घोटाले में सीबीआइ ने पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी व प्रदेश सरकार के अधिकारियों सहित 11 लोगों को आरोपित बनाया था। मायावती व नसीमुद्दीन सहित सरकार के बाकी अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन का मामला लंबित चल रहा है।

2002 में दर्ज किया गया था मामला

ताज कॉरिडोर घोटाले को लेकर पांच अक्टूबर 2002 को मामला दर्ज किया गया था। 2003 में सीबीआइ ने इसकी जांच शुरू की थी। परियोजना को लेकर लखनऊ में 2002 में हुई बैठक में एनपीसीसी से काम करवाने की सहमति बन गई थी। इसके बाद एनपीसीसी ने परियोजना पर काम शुरू कर दिया था। सीबीआई द्वारा तैयार की गई चार्जशीट में कहा गया है कि ताज कॉरिडोर को बनाने के लिए एनपीसीसी को ठेके का आवंटन किए बिना ही 17 करोड़ और 20 करोड़ की धनराशि जारी कर दी गई थी। कंपनी को वर्क आर्डर भी जारी नहीं किया गया था न ही डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) ली गई थी।

आधा आईपीएल खत्म : धोनी की टीम टॉप पर

» अब तक पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों का रहा दबदबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल के 16वें सीजन में लीग राउंड के आधे मैच समाप्त हो गए हैं। अब तक खेले गए 35 मुकाबलों के बाद महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपरकिंग्स पहले और गुजरात टाइटंस दूसरे पायदान पर है। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद नौवें और दिल्ली कैपिटल्स की टीम 10वें पायदान पर है।

राजस्थान रॉयल्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और पंजाब किंग्स के बराबर अंक हैं। इस सीजन में अब तक खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों का दबदबा रहा है। 35 मुकाबलों में 20 बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। वहीं, 15 मुकाबलों में रन चेज करने वाली टीम ने मैच को अपने नाम किया है। टॉस की बात करें तो टॉस हारने वाली टीम 20 मैच में जीती है। वहीं, टॉस जीतने वाली टीम 15 बार ही मुकाबले को अपने नाम कर पाई है।

डुप्लेसिस ने लगाए सबसे ज्यादा छक्के

इस टूर्नामेंट में अब तक 94 छक्के लगे हैं। सबसे ज्यादा 25 छक्के आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने लगाए हैं। चौकों की बात करें तो दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर शीर्ष पर हैं। उन्होंने सात मैचों में 44 चौके जड़े हैं। उनके बाद दूसरे पायदान पर 33 चौकों के साथ डुप्लेसिस हैं।

अंक तालिका की स्थिति

मुंबई इंडियंस पर जीत के बाद गुजरात टाइटंस की टीम ने अंक तालिका में छलांग लगाई है। उसकी सात मैचों में पांचवीं जीत है। उसके 10 अंक हो गए हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स के भी सात मैचों में इतने ही अंक हैं। वह बेहतर नेट रनरेट के कारण शीर्ष पर है। राजस्थान, लखनऊ, बैंगलोर और पंजाब के आठ-आठ अंक हैं। राजस्थान और लखनऊ बेहतर नेट रनरेट के कारण शीर्ष चार में क्रमशः तीसरे और चौथे पायदान पर है। चेन्नई और गुजरात के पास 10 अंक है, वहीं चार टीमों के पास आठ अंक हैं। एक टीम छह और तीन टीमें चार अंक हासिल कर चुकी हैं।

200 से ज्यादा रन का रिकॉर्ड

आईपीएल के मौजूदा सीजन में 15 पारियों में 200 से ज्यादा रन बने थे। 35 मैचों में सिर्फ दो बार ऐसा हुआ है कि पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम 200 से ज्यादा रन बनाकर मुकाबले में हारी है। आईपीएल के 13वें मैच में गुजरात टाइटंस ने चार विकेट पर 204 रन बनाए थे। कोलकाता नाइटराइडर्स ने सात विकेट पर 207 रन बनाकर मैच को अपने नाम किया था। वहीं, 15वें मैच में आरसीबी ने दो विकेट पर 212 रन बनाए थे। लखनऊ ने नौ विकेट पर 213 रन बनाकर मैच को जीत लिया था।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

अतीक-अशरफ हत्याकांड : यूपी सरकार सुप्रीम दरबार में

» कोर्ट में दाखिल की कैविएट बिना पक्ष सुने न सुनाया जाए कोई फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज के कॉल्विन अस्पताल परिसर में 15 अप्रैल की रात माफिया डॉन अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले में कैविएट दायर किया है। दायर कैविएट में यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि बिना पक्ष सुने इस मामले में कोई फैसला नहीं सुनाया जाएगा। अतीक हत्याकांड पर पिछले दिनों एक पीआईएल दायर किया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस पर 28 अप्रैल को सुनवाई करने वाली है।

बता दें कि अतीक अहमद के चकिया वाले दफ्तर में सोमवार को मिले खून की पुष्टि होने का दावा किया गया है। ब्लड सैंपल को जांच के लिए एफएसएल की टीम लेकर गई है। सूत्रों के हवाले से बड़ी जानकारी सामने आई है। खबर आ रही है कि चकिया के दफ्तर में मिले खून में हिमोग्लोबिन पाया गया है। इस आधार पर कहा जा रहा है कि यह खून इंसान का है। करीब 9 स्थानों पर खून बिखरे हुए थे। खून से सना चाकू, चूड़ियां, दुपट्टा और कपड़े पाए जाने के बाद से पुलिस का शक गहराया है। सोमवार को हुई छापेमारी के क्रम में खून पाए जाने के बाद एफएसएल की टीम की ओर से इसकी जांच कराई गई है। बुधवार या गुरुवार को रिपोर्ट आने का दावा किया गया है। इससे खुलासा होगा कि आखिर ये खून के धब्बे किसके है?

अखलाक पर कार्रवाई

उमेश पाल मर्डर केस के बाद अतीक अहमद गैंग के शूटरों को उसके बहनाई डॉ. अखलाक ने पनाह दी थी। इस मामले के सामने आने के बाद डॉ. अखलाक को पिछले दिनों गिरफ्तार किया गया था। अब सस्पेंड कर दिया गया है। अखलाक पर बगबाज गुड्डू मुस्लिम को पनाह देने का आरोप लगा है। गुड्डू मुस्लिम इस समय यूपी की सर्च लिस्ट में सबसे ऊपर है। सरकार के आदेश पर मेरठ में पदस्थापित डॉ. अखलाक को सेवा से सस्पेंड करने का आदेश जारी किया गया है।

शाइस्ता की 20 लोगों ने की मदद

माफिया अतीक अहमद की पत्नी और उमेश पाल मर्डर केस में फरार 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन के मददगारों को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। 7 वकील और 20 अन्य मददगारों की पहचान की गई है। ये सभी माफिया डॉन की पत्नी को मदद कर रहे थे। आर्थिक तौर पर शाइस्ता को मदद करने का आरोप इन पर लगा है। इन सभी को पुलिस ने अपने रेडार पर ले लिया है। उमेश पाल मर्डर केस में आरोपी बनाए जाने के बाद से शाइस्ता फरार चल रही है। पुलिस की ओर से उसकी तलाश में छापे मारे जा रहे हैं। ऐसे में पुलिस मददगारों के जरिए शाइस्ता तक पहुंचने का प्रयास कर सकती है।

44 फीसदी बढ़ गए कोरोना केस सतर्कता जरूरी

» 24 घंटे में मिले 9,629 नए केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए मामलों में बुधवार को एक बार फिर तेजी दर्ज की गई है। मंगलवार के मुकाबले आज नए मामलों में 44 फीसदी का इजाफा हुआ है। हालांकि, सक्रिय मामलों की संख्या में गिरावट जारी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को बीते 24 घंटे में नौ हजार से अधिक नए मामले दर्ज किए गए हैं। बुधवार को 9,629 नए मामले दर्ज किए गए जबकि यह आंकड़ा मंगलवार को 6,660 था। वहीं, सक्रिय मामले घटकर 61,013 रह गए हैं, जो मंगलवार को 63,380 था। इससे पहले सोमवार को एक दिन में कोरोना के नए केसों की संख्या 7,178 दर्ज की गई थी। जबकि इससे भी पहले रविवार को करोना के 10,112 नए केस दर्ज किए गए थे।

दिल्ली के स्कूल में बम की धमकी से मचा हड़कंप, पुलिस की जांच शुरू

» पहले भी हुई है ऐसी घटना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में बम होने की धमकी मिली है। इससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। स्कूल को यह धमकी ई-मेल के जरिए मिली है। बम की धमकी मिलने के बाद स्कूल कैंपस को खाली करा लिया गया है। इस संबंध में दिल्ली फायर सर्विस का कहना है कि जांच चल रही है।

इस संबंध में साउथ-ईस्ट दिल्ली के डीसीपी राजेश देव ने बताया कि सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की बम डिस्पोजल टीम और लोकल पुलिस को तैनात किया गया है। फिलहाल कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली है। जांच जारी है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है बल्कि इससे पहले भी दिल्ली के स्कूल में ऐसी घटना हो चुकी है। इससे पहले 12 अप्रैल को दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी स्थित द इंडियन स्कूल को धमकी भरा एक ईमेल मिला था कि स्कूल के अंदर बम लगाया गया है। इसके बाद आनन-फानन में अभिभावकों को बुलाकर बच्चों को घर भेजा गया था।

आनंद की रिहाई के विरोध में आईएएस

» सेंट्रल आईएएस एसोसिएशन बोली- इससे पब्लिक सर्वेंट का मनोबल गिरता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में बाहुबली और पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई सुर्खियों में है। उनकी रिहाई को लेकर नीतीश सरकार विरोधियों के निशाने पर हैं। अब, सेंट्रल आईएएस एसोसिएशन ने भी बिहार सरकार के इस फैसले का विरोध किया है।

सेंट्रल आईएएस एसोसिएशन ने गोपालगंज के पूर्व डीएम जी कृष्णैया की नृशंस हत्या के दोषियों को रिहा करने के बिहार सरकार के फैसले पर गहरी निराशा जताई है। एसोसिएशन ने कहा कि नियमों में संशोधन कर लोक सेवक की हत्या के आरोप में दोषी को कम जघन्य श्रेणी में फिर से क्लासिफाई नहीं किया जा सकता। आईएएस एसोसिएशन ने कहा कि एक मौजूदा वर्गीकरण में संशोधन, जो कर्तव्य पर एक लोक सेवक के सजायाफ्ता हत्यारे की रिहाई की ओर ले जाता है, न्याय से वंचित करने के समान है। ऐसे फैसलों से लोक सेवकों के मनोबल में गिरावट आती है, लोक व्यवस्था कमजोर होती है और प्रशासन के न्याय का मजाक बनता है। हमारा सरकार से अनुरोध है कि वो जल्द इस फैसले पर पुर्निविचार करे।

आनंद मोहन की आड़ में हुई 26 अपराधियों की रिहाई : भाजपा

वहीं, बाहुबली नेता के जेल से रिहा होने पर बिहार में बयानबाजी तेज है। भाजपा खुलकर कुछ नहीं कह रही है लेकिन 26 अन्य कैदियों के छोड़ने का विरोध कर रही है। इसी क्रम में भाजपा विधान मंडल दल के नेता विजय सिन्हा ने मंगलवार को बयान जारी कर अपनी प्रतिक्रिया दी। विजय सिन्हा ने कहा कि सरकार का यह कदम दुर्भाग्यपूर्ण है। आनंद मोहन को राजनीतिक कारणों से तत्कालीन सरकार द्वारा फंसाया गया था, उनकी रिहाई स्वागत योग्य है। सरकार को उनसे मांफी मांगनी चाहिए, लेकिन उनकी आड़ में अन्य 26 अपराधियों की रिहाई सूची में नाम देखकर बिहार के लोग स्तब्ध हैं। सिन्हा ने कहा कि साल 2016 में जेल मेन्युअल में संशोधन आनंद मोहन पर बदले की भावना से कार्रवाई करने के लिए की गई थी। उसी संशोधन का परिणाम है कि सम्पूर्ण सजा काटने के बाद भी उनकी रिहाई नहीं हुई।

भाजपाइयों के पेट में क्यों उठ रहा दर्द : ललन सिंह

भाजपा के आरोपों पर जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई पर भाजपा अब खुलकर सामने आई है। आनंद मोहन ने पूरी सजा काट ली और जो छूट किसी भी सजायाफ्ता को मिलती है, वह छूट उन्हें नहीं मिल पा रही थी, क्योंकि खास लोगों के लिए नियम में प्रावधान किया हुआ था।

सीएम एकनाथ शिंदे पर लटकी तलवार

» सामना में दावा- भाजपा हाईकमान ने इस्तीफा तैयार रखने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार को लेकर पिछले कुछ दिनों से चर्चाएं हैं। इसी बीच, शिवसेना (यूबीटी) ने बड़ा दावा किया है। शिवसेना (यूबीटी) ने दावा किया है कि भाजपा हाईकमान ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से इस्तीफा तैयार रखने को कहा है। मुखपत्र सामना में छपे एक लेख में कहा गया कि इस वजह सीएम शिंदे बीजेपी से नाराज चल रहे हैं।

नाराजगी के चलते ही शिंदे अपने गांव चले गए हैं। शिंदा वहां तीन दिन छुट्टियां मनाएंगे। सामना में लिखा गया है कि महाराष्ट्र में सियासी हलचल के बीच एनसीपी नेता अजीत पवार कुछ विधायकों के साथ भाजपा को समर्थन देंगे, ऐसी चर्चा शुरू थी। हालांकि, अजीत पवार ने मीडिया के सामने स्पष्ट किया था कि मैं आजीवन एनसीपी में रहूंगा और शरद पवार के मार्गदर्शन में काम करूंगा। इन सब के बावजूद शिंदे को मुख्यमंत्री पद से हटाने की चर्चा दिल्ली में जोरों पर शुरू थी। ऐसी परिस्थिति में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तीन दिन के लिए अपने गांव चले गए हैं।

नाराज होकर गांव गए शिंदे : सामना

कार्यकर्ता चाहते हैं फडणवीस बने सीएम : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

इस बीच प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने बातचीत करते हुए बताया कि उन्होंने देवेंद्र फडणवीस को सीएम बनाने की पैरवी की है। उन्होंने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता चाहते हैं कि देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री होना चाहिए, लेकिन आज की असलियत यह है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हैं। बता दें कि इस समय देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री हैं।

चर्चाओं में दम नहीं : उदय सावंत

वहीं जब उनसे पूछा गया कि गांव के मेले में जाने पर मुख्यमंत्री नाराज हैं, ऐसा कोई कह रहा है तो उसका सार्वजनिक सत्कार किया जाना चाहिए। दिल्ली में मुख्यमंत्री बदलने के लिए बैठक हो रही है, ऐसी राजनीतिक गलियारे में चर्चा है। मीडिया के इस सवाल पर उदय सावंत ने कहा कि राजनीतिक क्षेत्रों में पिछले आठ दिनों से विभिन्न चर्चाएं शुरू हैं, जिनमें कोई तथ्य नहीं है। जब वास्तविकता आएगी, तो हम विचार करेंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।